सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-190
17/04/2018

खेल–कूद का क्षेत्र युवाओं को प्रतिभाशाली और बेहतर बनाता है :– मुख्यमंत्री

पटना, 17 अप्रैल 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज गुलजारबाग खेल परिसर, पटना सिटी का उद्घाटन रिबन काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते हुये कहा कि खेल परिसर के निर्माण के लिए मैं कला संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री, इससे जुड़े पदाधिकारियों को बधाई देता हूँ, जिन्होंने सचमुच इस परिसर के विकास के लिए प्रयत्न किया है। उन्होंने कहा कि यहां मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं उन्हें धन्यवाद भी देता हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खेल परिसर खेलों को प्रोत्साहित करने में काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो गुलजारबाग खेल परिसर विकसित किया गया है, उसके लॉन को और स्मूथ बनाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुलजारबाग खेल परिसर के रख–रखाव एवं मेंटेनेंस के लिए यह आवश्यक है कि इसे मंगल तालाब कॉन्प्लेक्स के मेंटेनेंस के लिए जो कमेटी बनी है, उससे जोड़ा जाय या उसके पैटर्न पर एक अलग कमेटी बनाई जाय, जो इस परिसर का रख–रखाव करे और लोगों को इसका लाभ मिलता रहे। उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर पर 100 से ज्यादा स्टेडियम का निर्माण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए दौर में नए तरीके से प्रखंड, जिला एवं प्रमंडल स्तर पर खेल परिसर एवं ट्रेनिंग सेंटर बनाने की आवश्यकता है और इस दिशा में काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के विकास में खेल–कूद की बड़ी महती भूमिका होती है क्योकि व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए सिर्फ किताबी ज्ञान आवश्यक नहीं है बल्कि इसके लिए खेल–कूद का माहौल भी होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल में हार–जीत होती रहती है लेकिन इसमें तनाव या गुस्सा की भावना हारने वाले के मन में नहीं रहता है बल्कि हारने वाला भी जीतने वाले को बधाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हारने वाले के मन में भी स्नेह और प्रेम का भाव जीतने वाले व्यक्ति के प्रति रहता है। लोगों में इस तरह की भावना विकसित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल–कूद का विकास अति आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रिकेट एसोसिएशन का विगत कई दशकों से झगड़ा चलता रहा है लेकिन कोर्ट के द्वारा अब फैसला हो गया है। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र नगर स्टेडियम को विकसित किया जा रहा है ताकि यहां अंतर्राष्ट्रीय खेल का आयोजन हो सके। उन्होंने कहा कि अब बिहार के खिलाड़ियों एवं युवाओं को दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि उन्हें यहीं समुचित सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहारियों में बहुत दम है और कला संस्कृति एवं युवा विभाग काफी सक्रिय है ताकि खेल से जुड़े लोगों एवं युवाओं को हर जरूरी सुविधा मुहैया कराई जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स में बिहार की बेटी सुश्री श्रेयसी सिंह ने शूटिंग में स्वर्ण पदक हासिल किया है, मैं उन्हें बधाई देता हूँ और राज्य सरकार की तरफ से विशेष तौर पर ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जाएगा, इसके लिए कला संस्कृति एवं युवा विभाग के द्वारा निर्णय लिया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों को

रिफ्रेसमेंट के लिये 100 रूपये की जगह 225 रुपये दिया जायेगा, जबकि ट्रेनिंग देने वाले प्रशिक्षकों का जो वेतन 10 से 15 हजार हुआ करता था, उसे बढ़ाकर 30000 रुपये किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस खेल परिसर में मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दी जायेगी, जो बहुत ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमने लड़कियों के लिए साइकिल योजना शुरू की थी तो बहुत लोगों ने मजाक उड़ाया था और लड़कियों के साथ छेड़खानी होने की बात कही थी, तब हमने लड़कियों को मार्शल आर्ट और जूडो कराटे का ट्रेनिंग की व्यवस्था कराई थी और आज मुझे काफी खुशी है कि यहां मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दी जायेगी। उन्होंने कहा कि आज की जरूरत के हिसाब से स्ट्रक्चर का निर्माण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गंगा पथ, सड़कों, नए पुलों का निर्माण तेजी से हो रहा है, साथ ही साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल–कूद, समाज कल्याण जैसे हर क्षेत्र में काम तेजी से प्रगति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली, पेयजल, पक्की गली और नाली, शौचालय जैसे तमाम बुनियादी सुविधाएं लोगों तक पहुंचाई जा रही है जो हमारी तमन्ना है। उन्होंने कहा कि खेल–कूद का क्षेत्र युवाओं को प्रतिभाशाली और बेहतर बनाता है। उन्होंने कहा कि कला–संस्कृति एवं युवा विभाग में आर्ट भी है, कल्चर भी है और यूथ भी है न कि सिर्फ स्पोर्ट्स।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाटलिपुत्र की दुनिया भर में चर्चा होती है, जो हमारे लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मगध साम्राज्य का जो भूगोल है वह भारत के भूगोल से काफी बड़ा है। यही पाटलिपुत्र है जहां से शासन के संचालन का विकास हुआ, चाणक्य ने इसी धरती से दुनिया के लोगों को शासन के संचालन के संबंध में सिखाया और अर्थशास्त्र की रचना की और दुनिया को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब भी हम पटना सिटी इलाके में आते हैं तो यहॉ के लोग काफी प्रसन्न दिखते हैं। संकरी गलियां हैं फिर भी इत्मीनान से और प्रसन्नता के साथ लोग यहां रहते हैं, यह देखकर मुझे काफी अच्छा लगता है। इसी प्रकार की संस्कृति होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को हर बुनियादी सुविधाओं का इंतजाम किया जा रहा है ताकि लोग खुशीपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने कहा कि खेल परिसर में आने के लिए और भी दरवाजे होने चाहिए ताकि लोग सहूलियत से अंदर आ–जा सकें।

इसके पूर्व कला संस्कृति एवं युवा विभाग के प्रधान सचिव श्री चैतन्य प्रसाद ने मुख्यमंत्री को पुष्प–गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को फूलों का बड़ा माला पहनाकर अभिनंदन किया। स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत गाकर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार सहित आगत अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम को पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, कला संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री श्री कृष्ण कुमार ऋषि, महापौर पटना नगर निगम श्रीमती सीता साहू, वार्ड नंबर– 53 की वार्ड पार्षद श्रीमती किरण मेहता, प्रधान सचिव कला संस्कृति एवं युवा विभाग श्री चैतन्य प्रसाद ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, अपर सचिव कला, संस्कृति एवं युवा विभाग श्री आनंद कुमार, निदेशक कला संस्कृति एवं युवा विभाग श्री संजय सिन्हा, जिलाधिकारी श्री कुमार रवि, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री मनु महाराज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के अधिकारीगण, विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ी, खेल–प्रेमी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

******